Date - 28-05-2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's college, Samastipur
Email Id. - Snehababli 1987@gmail.com
Cont. no. - 8409587640

Class - B.A. - II (Hons.)
Topic - Symbolic logic : Uses of Implication.

Scanned with CamScanner

सापेक्ष प्रकथन और शाब्दिक प्रतिपादित (ट)

जब दो वाक्यों को संयुक्त करने के लिए पहले वाक्य के पूर्व 'यदि' और दूसरे वाक्य के पूर्व 'तो' लगाया जाता है, तब इस प्रकार बने संयुक्त वाक्य को सापेक्ष प्रकथन अथवा हेतुफलाश्रित प्रकथन अथवा प्रतिपादित कथन कहा जाता है। इस वाक्य में

Scanned with CamScanner

'यदि' से आरम्भ होने वाला उपवाक्य हेतु कहा जाता है तथा 'तो' से आरम्भ होने वाला उपवाक्य 'हेतुमत' या 'हेतुफल' कहा जाता है।

उदाहरण के लिए, "यदि कोहली शतक लगाएगा, तो भारत मैच जीतेगा"। यह एक सापेक्ष प्रकथन है, जिसमें "कोहली शतक बनाएगा" हेतु है तथा "भारत मैच जीतेगा", हेतुफल है। अतः सापेक्ष प्रकथन कहता है कि यदि किसी भी स्थिति में इसका हेतु सत्य है, तो उसका फल भी सत्य होगा। अर्थात् सापेक्ष प्रकथन का अनिवार्य अर्थ शाब्दिक प्रतिपादित होता है जो कि उसके 'हेतु' और 'हेतुफल' के बीच क्रमानुसार व्यक्त होता है। उपरोक्त कथन में 'यदि कोहली शतक लगाएगा' को 'P' से तथा 'भारत मैच जीतेगा' को 'Q' से प्रदर्शित किया जाए, तो सापेक्ष प्रकथन को $P \supset Q$ से व्यक्त किया जाता है। जहाँ '$\supset$' शाब्दिक प्रतिपादित चिह्न को स्पष्ट करता है।

यदि P तो Q, इस सापेक्ष प्रकथन को असत्य माना जाए तो $P \cdot \sim Q$ संयोजन अवश्य सत्य होगा। अब यदि कोई सापेक्ष प्रकथन सत्य हो, तो उपर्युक्त संयोजन असत्य होगा अर्थात् उसका निषेध $\sim(P \cdot \sim Q)$ सत्य होगा। दूसरे शब्दों में, हम कह सकते हैं कि 'यदि P तो Q', यह वाक्य तभी सत्य होगा, जब $\sim(P \cdot \sim Q)$ सत्य हो अर्थात् उसके ~~फलवाक्य~~ फलवाक्य का निषेध और हेतु वाक्य के संयोजन का निषेध सत्य हो। अतः हम $\sim(P \cdot \sim Q)$ को 'यदि P तो Q' का आंशिक अर्थ मानकर निम्नलिखित रूप में उसकी सत्यता - सारणी तैयार कर सकते हैं

P	Q	~Q	(P.~Q)	~(P.~Q)	P⊃Q
T	T	F	F	T	T
T	F	T	T	F	F
F	T	F	F	T	T
F	F	T	F	T	T

उपरोक्त सारणी से हमें निम्नलिखित निष्कर्षों की प्राप्ति होती है

⇒ P सत्य है तथा Q सत्य है, P⊃Q सत्य है।

⇒ P सत्य है तथा Q असत्य है, P⊃Q असत्य है।

⇒ P असत्य है तथा Q सत्य है, P⊃Q सत्य है।

⇒ P असत्य है तथा Q असत्य है, P⊃Q सत्य है।

अतः स्पष्ट है कि P⊃Q का सत्यता फलन केवल तभी असत्य होगा, जब उसके अवयव 'P' का सत्यता फलन सत्य हो और अवयव 'Q' का सत्यता फलन असत्य हो।

Scanned with CamScanner